बेहतरीन आदमी कौन है?

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.

एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ हिन्दी.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*तिर्मिज़ी, नसाई, रावी हजरत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी:>
रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया-
क्या में तुम्हे ना बताउ की बेहतरीन आदमी कौन है? ये वो आदमी है जिसने अपने घोडे की लगाम को अल्लाह की राह में थामे रखा है.
क्या में तुम्हे उस आदमी के बारे में ना बताउ जो दरज़े में उस्के बाद है? ये वो आदमी है जो चन्द बकरिया लेकर लोगो से अलग-थलग रहता है और उन बकरियो में अल्लाह का हक अदा करता है.
क्या में तुम्हे ना बताउ की बहुत बुरा आदमी कौन है? सब्से बुरा वो आदमी है जिस्से अल्लाह तआला के नाम पर सवाल किया जाता है लेकिन वो नहीं देता.

*अबू दाउद, नसाई, रावी हजरत अब्दुल्लाह बिन उमर रदी:>
रसूलुल्लाह صلى الله عليه وسلم ने फरमाया जो आदमी तुम्से अल्लाह तआला की पनाह तलब करे तुम उसे पनाह दे दो और जो आदमी अल्लाह

तआला का वास्ता देकर सवाल करे उस्का सवाल पूरा करो, और जो आदमी तुम्हे दावत दे उस्की दावत को कुबूल करो और जो आदमी तुम्हारे साथ एहसान करे तुम उस्के एहसान का बदला दो. अगर तुम बदला ना दे सको तो उस्के हक में दुवा ए खैर करो यहा तक की तुम महसूस करो की तुमने उस्को बदला दे दिया है.

*अबू दाउद, रावी हजरत सअद रदी:> रसूलुल्लाह ﷺ ने जब औरतो से बैअत की तो एक बडे रूतबे वाली औरत खडी हुई. उसने अरज़ किया ऐ अल्लाह के पैगम्बर! हम तो अपने मां बाप, अपने बेटो और अपने शौहर पर बोझ है, हमारे लिये उन्के माल मेसे किस कदर हलाल है? आप ﷺ ने फरमाया वो चीज़ जिस्को तुम खुद भी खा सकती हो और हदिया भी दे सकती हो.